अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 21.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु विचार दर्शन–80

प्र. 1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 10

(क) आचार्य धर्मदासगणी के अनुसार जो तप और नियम में सुस्थित है उनका जीना और मरना दोनों ही अच्छे कैसे हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु के अनुसार अहिंसा का मार्ग क्या है?

(ग) सावद्य दान और सावद्य दया दोनों ही सांसारिक कैसे हैं? लिखें।

(घ) तेरापंथ धर्मसंघ में अनुशासन का संचालन कैसे होता है?

(ङ) एक कुंआ जल से भरा है, कोई उसमें गिर रहा है। किसी ने उसे गिरने से बचा लिया। आचार्य भिक्षु के अनुसार यह क्या है?

(च) अष्टादश पुराणों का सार क्या है?

(छ) कुछ लोग कहते धर्म के लिए हिंसा करना विहित है। तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ज) आचार्य भिक्षु ने अपने साध्य की सिद्धि के लिए किस अवस्था में कौन सा व्रत स्वीकार किया?

(झ) जैन साधु-संघ मुख्य रूप से किन कारणों से विभक्त है?

(ञ) नीतिशास्त्र के अनुसार कर्त्तव्य की आवश्यकता कब होती है?

(ट) आचार्य भिक्षु ने दान का विश्लेषण किस दृष्टि से किया?

(ठ) धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से कितने साध्य हैं और कितने साधन?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) अवीतराग की पहचान के मुख्य बिन्दु कौन-कौन से हैं? लिखें।

(ख) अहिंसा या करूणा के भाव से भावित व्यक्तियों की प्रेरक शब्दावली क्या है?

(ग) कुल, गण और संघ शब्द को व्याख्यायित करें।

(घ) आचार्य भिक्षु द्वारा निर्मित संविधान के अनुसार गण से स्वयं पृथक होने के मुख्य कारण कैन-कौन से हैं?

(ङ) लोहे की बेड़ी व सोने की बेड़ी किसे कहा गया है? इनमें से कौन सी बेड़ी मोक्ष में सहायक है?

(च) जो साधु जीव हिंसा में धर्म बतलाते हैं उनके तीन महाव्रत कैसे टूटते हैं? लिखें।

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 28

(क) स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु की अपने ध्येय के प्रति गहरी निष्ठा थी। उसी से उनमें तितिक्षा का उदय हुआ।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु ने आयोग्य दीक्षा पर कड़ा प्रतिबंध लगाकर अनुशासन की भूमिका को सुदृढ़ बना दिया।

(ग) मिश्र धर्म का विश्लेषण करें।

(घ) देव, गुरु और धर्म अनमोल है। इन्हें धन से नहीं खरीदा जा सकता। आचार्य भिक्षु के विचारों से स्पष्ट करें।

(ङ) स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु के दयार्द्र मानस का परिचय हमें तब मिलता है जब हम उनके सेवाभाव की ओर दृष्टि डालते हैं।

(च) आचार्य भिक्षु ने अपने समय (वि. 19वीं शदी में) की स्थिति का जो चित्र खींचा है, उसका विवरण करें।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 32

(क) दोष-परिमार्जन के विषय में महात्मा गांधी और आचार्य भिक्षु के विचारों को स्पष्ट करते हुए दोष-प्रकरण को लेकर आचार्य भिक्षु द्वारा लिखित लिखत को विस्तारपूर्वक लिखें।

(ख) विभिन्न उद्धरणों से स्पष्ट करें कि अहिंसा का ध्येय क्या है?

(ग) आचार्य भिक्षु के विचारों द्वारा स्पष्ट करें कि एक आदमी कोई कार्य करता है, दूसरा उसे करवाता है और तीसरा उसका अनुमोदन करता है, ये तीनों एक ही श्रेणी में आते हैं।

भिक्षु वाणी–20

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) ग्यान रूप साबण.....निज गुण चीर।।

(ख) रांकां नें मार.....उठ्या वेरी।।

(ग) ते पाप.....नहीं दोस।।

(घ) विण अंकुश.....साधु नाम।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) गलियार गधो.....पार धाले।।

(ख) छ काय.....मिलियो आय।।

(ग) पहडे सगाने.....जगनाथ री।।

(घ) आहार पाणी.....उठ जावे।।

प्र. 7 निम्नलिखित विषयों से संबंधित पद्य लिखें– 6

(क) असाधु।

(ख) दुष्कर साधना।

(ग) अज्ञान।

(घ) जीवन सूत्र।